

जा मेरे हिरदे में खटकी रे

कान्हा हट की न माने

उरा-रा रा रा श्याम हटकी न माने

हाँच-हाय रे बैरी-हटकी न माने ॥२॥

जा मेरे -----

जब-जब माखन बेंचन निकरी ॥२॥

बैयाँ पकर मोरी झटकी रे

कान्हा हटकी -----

व्वाल-बाल सें-सेन करे जो ॥२॥

नैन पुतरिया मटकी रे

कान्हा हटकी -----

सास-जिठानी-ताना मारे ॥२॥

बीच धार में अटकी रे

कान्हा हटकी -----

रुक दिना की बात-जो होती ॥२॥

निस दिन-बृज में झटकी रे

कान्हा हटकी -----

पैयाँ पर तारे-बंशी बजैया ॥२॥

जाने "श्री बाबा श्री" घट घट की रे

कान्हा हटकी -- जा मेरे -----